



दगाड़िया स्मारिका

द्वितीय संस्करण

(2025-2026)

संरक्षक
नीरजा डबराल
मो नंबर
8791873546

अध्यक्ष
मधु सूदन डबराल
मो नंबर :
9000671852

उपाध्यक्ष
सतीश कुमार
मो नंबर
9910933979

सचिव
अशोक डबराल
मो नंबर
9897883450

संयुक्त सचिव
प्रफुल्ल डबराल
मो नंबर
9873880851

सांस्कृतिक सचिव
विजय डबराल
मो नंबर
99177 08259

परामर्शदाता
सुभाष डबराल
9868042167

कोषाध्यक्ष
गिरजा दत्त डबराल
मो नंबर

कोऑर्डिनेटर
प्रजा दत्त डबराल
मो नंबर
9810974880

सूदन डबराल
मो नंबर
9313952523

सुरेश ममगाई
मो नंबर
6397793018



दगाड़िया जनकल्याण समिति (पंजीकृत)

ग्राम- डाबर, पोस्ट ऑफिस- देवीखेत, डबरालस्यूं, पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखंड- 246144

Reg. No. – UK0610852022008503

E mail: dagdiyajankalyan@gmail.com

दगडिया स्मारिका

प्रथम संस्करण

संपादक मंडल

अध्यक्ष
मधु सूदन डबराल

सचिव
अशोक डबराल

संपादक
प्रजा दत्त डबराल

उप संपादक
अशोक डबराल

सम्पादकीय
कार्यालय

G - 60 , राज नगर
पार्ट-2
पालम कॉलोनी
दिल्ली

अनुक्रम

क्रम संख्या	विषय	पृष्ठ संख्या
1	संस्था का परिचय	3
2	संपादकीय	4-5
3	अध्यक्ष की कलम से	6
4	संरक्षक की कलम से	7
5	सचिव की कलम से	8
6	वर्ष 2025-26 के संपन्न कार्यों का विवरण	9-13
7	वार्षिक लेखा संतुलन पत्र	14
8	कार्यकारिणी सूची	15-16
9	सदस्य सूची	17
10	2025-26 की प्रस्तावित कार्य सूची	18-19
11	वर्ष के प्रमुख सहयोगियों का विवरण	19

CONTRIBUTE



DAGADIYA JAN KALYAN SAMITI

A/C NO: 2871-0001-0007-1551

IFSC CODE: PUNB0287100

Reg. No. - UK0610852022008503

UPI ID: 9000671852m@PNB

WEBSITE: <https://dagadiya.com>

संस्था का परिचय

दगड़िया जन कल्याण समिति (पंजीकृत), उत्तराखण्ड एक गैर-लाभकारी सामाजिक संस्था है, जो उत्तराखण्ड के पर्वतीय क्षेत्रों के समग्र एवं सतत् विकास के लिए समर्पित है। समिति का उद्देश्य शिक्षा, खेल, कौशल विकास, कृषि, पर्यावरण संरक्षण तथा स्थानीय आजीविका को सुदृढ़ बनाकर पलायन की समस्या का स्थायी समाधान प्रस्तुत करना है।

उत्तराखण्ड के पर्वतीय क्षेत्रों में शिक्षा, रोजगार, खेल सुविधाओं तथा आधुनिक कृषि संसाधनों के सीमित अवसरों के कारण निरंतर पलायन हो रहा है। समिति का विश्वास है कि यदि बच्चों और युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक कौशल, खेल प्रशिक्षण तथा व्यक्तित्व विकास के अवसर उनके अपने क्षेत्र में उपलब्ध कराए जाएँ, तो वे न केवल अपने परिवार की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति को सशक्त बना सकते हैं, बल्कि राज्य के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

इसी उद्देश्य से समिति शिक्षा के क्षेत्र में **वैदिक गणित, अंग्रेजी एवं व्यक्तित्व विकास**, खेल के क्षेत्र में **तीरंदाजी प्रशिक्षण**, कृषि के क्षेत्र में **आधुनिक एवं जैविक खेती**, तथा समाज सेवा के क्षेत्र में **स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण एवं युवा नेतृत्व विकास** जैसे कार्यक्रम संचालित कर रही है।

'दगड़िया' गढ़वाली भाषा का एक भावनात्मक शब्द है, जिसका अर्थ है—**वह साथी जो कठिन परिस्थितियों में भी साथ निभाए**। यही हमारी संस्था की कार्यशैली और मूल दर्शन है। हम समाज के प्रत्येक बच्चे, किसान, युवा और परिवार के विकास में सहभागी बनकर एक **शिक्षित, आत्मनिर्भर, समृद्ध एवं पलायन-मुक्त उत्तराखण्ड** के निर्माण के लिए निरंतर कार्यरत हैं।

"हमारा विश्वास है कि यदि प्रत्येक बच्चे को अवसर, प्रत्येक युवा को दिशा और प्रत्येक किसान को सम्मान मिले, तो उत्तराखण्ड का भविष्य उज्ज्वल, आत्मनिर्भर और समृद्ध होगा।"

1. हमारी दृष्टि (Vision)

"एक समृद्ध, आत्मनिर्भर एवं शिक्षित उत्तराखण्ड का निर्माण, जहाँ प्रत्येक ग्रामीण परिवार सम्मानपूर्वक जीवनयापन कर सके तथा युवाओं को अपने गाँव में ही रोजगार, शिक्षा एवं विकास के पर्याप्त अवसर प्राप्त हों।"

हमारी दृष्टि है—

- पलायन मुक्त उत्तराखण्ड।
- शिक्षित एवं आत्मनिर्भर युवा।
- आधुनिक कृषि एवं स्वरोजगार।
- राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार करना।
- पर्यावरण संरक्षण एवं जल स्रोतों का पुनर्जीवन।
- प्रत्येक गाँव में सामाजिक सहभागिता एवं सामुदायिक नेतृत्व का विकास।

2. हमारा मिशन (Mission)

समिति निम्नलिखित उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु कार्यरत है—

- पर्वतीय क्षेत्रों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना।
- वैदिक गणित, अंग्रेजी एवं व्यक्तित्व विकास का प्रशिक्षण।
- तीरंदाजी एवं अन्य खेलों का ग्रामीण क्षेत्रों तक विस्तार।
- किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़ना।
- महिलाओं एवं युवाओं के लिए कौशल विकास कार्यक्रम।
- पर्यावरण संरक्षण एवं जल संरक्षण गतिविधियाँ।
- गाँवों में रोजगार सृजन के माध्यम से पलायन रोकना।

"दगड़िया से विकास की ओर – एक संकल्प, एक यात्रा"

"यदि किसी समाज का भविष्य बदलना है, तो उसके बच्चों को शिक्षा, युवाओं को अवसर और किसानों को सम्मान देना होगा।"

प्रिय पाठकों,

दगड़िया जन कल्याण समिति की ओर से वित्तीय वर्ष 2025-26 की वार्षिक स्मारिका आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए हमें अपार प्रसन्नता और गर्व का अनुभव हो रहा है। यह स्मारिका केवल हमारे द्वारा आयोजित कार्यक्रमों का संकलन नहीं है, बल्कि उन अनगिनत सपनों, संघर्षों, प्रयासों और सफलताओं की जीवंत कहानी है, जिन्हें हमारे सदस्यों, स्वयंसेवकों और समाज के सहयोग से साकार करने का प्रयास किया गया है।

आज उत्तराखण्ड का सबसे बड़ा संकट केवल भौगोलिक कठिनाइयाँ नहीं हैं, बल्कि **लगातार बढ़ता पलायन, सीमित रोजगार के अवसर, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की कमी, खेल सुविधाओं का अभाव और किसानों की चुनौतियाँ** हैं। पर्वतीय क्षेत्रों का प्रत्येक गाँव इन समस्याओं से किसी न किसी रूप में प्रभावित है। ऐसे समय में यह आवश्यक है कि समाज स्वयं आगे आए और समाधान का भागीदार बने। इसी सोच के साथ **दगड़िया जन कल्याण समिति** की स्थापना हुई।

'दगड़िया' शब्द केवल एक नाम नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति की आत्मा है। पहाड़ों में *दगड़िया* उस साथी को कहा जाता है जो कठिन रास्तों पर साथ चलता है, संकट में सहारा बनता है और मंज़िल तक पहुँचने में सहयोग करता है। हमारी समिति भी इसी भावना को अपने कार्यों का आधार मानती है। हमारा प्रयास है कि हम समाज के प्रत्येक वर्ग—विशेषकर बच्चों, युवाओं, किसानों और महिलाओं—के विकास की यात्रा में एक विश्वसनीय साथी बनें।

वर्ष 2025-26 हमारे लिए अनेक नई पहलों का वर्ष रहा। हमने यह अनुभव किया कि यदि बच्चों को सही दिशा, सक्षम मार्गदर्शन और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाएँ, तो वे अपनी प्रतिभा से किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं। इसी विश्वास के साथ समिति ने **कौशल विकास शिविर, वैदिक गणित एवं अंग्रेज़ी प्रशिक्षण, तीरंदाजी प्रशिक्षण**, तथा विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास से जुड़े अनेक कार्यक्रम आयोजित किए। इन कार्यक्रमों में बच्चों के उत्साह, अनुशासन और सीखने की ललक ने हमें यह विश्वास दिलाया कि उत्तराखण्ड का भविष्य अत्यंत उज्ज्वल है।

हमारी सोच केवल शिक्षा तक सीमित नहीं है। हमारा मानना है कि **शिक्षा, खेल, कृषि, स्वास्थ्य, पर्यावरण और रोजगार—ये सभी एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं।** यदि किसान समृद्ध होगा तो गाँव समृद्ध होगा; यदि गाँव समृद्ध होगा तो पलायन रुकेगा; यदि पलायन रुकेगा तो हमारी संस्कृति, हमारी बोली, हमारे पर्व और हमारी पहचान सुरक्षित रहेगी। इसलिए समिति ने कृषि विकास, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, जल प्रबंधन, हल्दी जैसी स्थानीय फसलों के प्रोत्साहन तथा ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगारोन्मुखी कार्यक्रमों को भी अपनी प्राथमिकताओं में शामिल किया है।

इस स्मारिका के प्रत्येक पृष्ठ पर आपको केवल कार्यक्रमों का विवरण नहीं मिलेगा, बल्कि उन लोगों की प्रेरणादायक कहानियाँ भी मिलेंगी जिन्होंने सीमित संसाधनों में भी बड़े सपने देखने का साहस किया। हमें विश्वास है कि समाज में परिवर्तन किसी एक व्यक्ति या संस्था के प्रयासों से नहीं आता; परिवर्तन तब आता है जब पूरा

समाज एक साझा उद्देश्य के साथ आगे बढ़ता है। यही कारण है कि हमारी समिति सदैव **सहभागिता, पारदर्शिता और सामूहिक नेतृत्व** में विश्वास करती है।

हम यह भी स्वीकार करते हैं कि हमारी यात्रा अभी प्रारम्भिक चरण में है। अभी अनेक लक्ष्य हमारे सामने हैं— अधिक विद्यालयों तक खेल सुविधाएँ पहुँचाना, अधिक बच्चों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण उपलब्ध कराना, किसानों को आधुनिक तकनीकों से जोड़ना, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना तथा युवाओं के लिए स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर विकसित करना। इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए केवल हमारी समिति का प्रयास पर्याप्त नहीं होगा; इसके लिए समाज, प्रशासन, शिक्षण संस्थानों, उद्योग जगत और प्रत्येक जागरूक नागरिक के सहयोग की आवश्यकता होगी।

हम उन सभी दानदाताओं, स्वयंसेवकों, शिक्षकों, प्रशिक्षकों, अभिभावकों, जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और शुभचिंतकों के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करते हैं, जिन्होंने समय, श्रम, ज्ञान अथवा संसाधनों के माध्यम से हमारे कार्यों को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। आपकी आस्था और सहयोग ही हमारी सबसे बड़ी पूँजी है।

यह स्मारिका हमारे अतीत का दस्तावेज़ होने के साथ-साथ हमारे भविष्य का संकल्प भी है। हम चाहते हैं कि आने वाले वर्षों में **दगड़िया जन कल्याण समिति** केवल एक संस्था नहीं, बल्कि उत्तराखण्ड के ग्रामीण विकास, शिक्षा, खेल, कृषि और सामाजिक नवाचार का एक सशक्त जनआंदोलन बने। हम चाहते हैं कि प्रत्येक बच्चा आत्मविश्वास से भरा हो, प्रत्येक युवा अपने गाँव में अवसर देखे, प्रत्येक किसान सम्मान के साथ जीवनयापन करे और प्रत्येक गाँव विकास की नई कहानी लिखे।

अंत में, हम आप सभी से एक विनम्र आग्रह करना चाहते हैं कि यदि आप उत्तराखण्ड के भविष्य को समृद्ध, आत्मनिर्भर और पलायन-मुक्त देखना चाहते हैं, तो इस अभियान का हिस्सा बनें। आपका सहयोग—चाहे वह समय का हो, ज्ञान का, संसाधनों का या केवल एक सकारात्मक विचार का—किसी बच्चे के जीवन में नई आशा जगा सकता है।

आइए, हम सब मिलकर एक ऐसे उत्तराखण्ड का निर्माण करें जहाँ विकास केवल शहरों तक सीमित न रहे, बल्कि हर गाँव, हर घर और हर बच्चे तक पहुँचे।

"जब समाज स्वयं जागता है, तभी परिवर्तन स्थायी होता है। आइए, हम सब अपनी मातृभूमि के सच्चे 'दगड़िया' बनें और सेवा, समर्पण तथा सहयोग की इस यात्रा को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाएँ।"

— सम्पादक मंडल

दगड़िया जन कल्याण समिति (पंजीकृत), उत्तराखण्ड

अध्यक्ष की कलम से

"जब समाज स्वयं अपने भविष्य का निर्माण करने का संकल्प लेता है, तब परिवर्तन निश्चित हो जाता है।"

प्रिय साथियों,

दगड़िया जन कल्याण समिति की ओर से आप सभी को स्नेहपूर्ण नमस्कार।

वित्तीय वर्ष 2025-26 हमारे लिए सीख, संघर्ष, सेवा और उपलब्धियों का वर्ष रहा। सीमित संसाधनों के बावजूद हमारी समिति ने जिस उत्साह, समर्पण और टीम भावना के साथ कार्य किया, वह हमारे प्रत्येक सदस्य और सहयोगी के अथक परिश्रम का परिणाम है। यह स्मारिका उसी सामूहिक प्रयास की एक झलक प्रस्तुत करती है।

हमारा उद्देश्य केवल कार्यक्रम आयोजित करना नहीं है। हमारा वास्तविक लक्ष्य उत्तराखण्ड के पर्वतीय क्षेत्रों के बच्चों, युवाओं और किसानों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाना है। यदि एक विद्यार्थी आत्मविश्वास प्राप्त करता है, एक किसान नई तकनीक अपनाता है, या एक युवा अपने गाँव में ही रोजगार का अवसर खोज लेता है, तो हम अपने प्रयासों को सार्थक मानते हैं।

इस वर्ष हमने तीरंदाजी प्रशिक्षण, कौशल विकास शिविर, वैदिक गणित, अंग्रेज़ी भाषा प्रशिक्षण तथा विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास जैसे कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया। इन कार्यक्रमों के दौरान बच्चों की प्रतिभा, अनुशासन और सीखने की उत्सुकता ने हमें विश्वास दिलाया कि उत्तराखण्ड के ग्रामीण क्षेत्रों में अपार संभावनाएँ छिपी हुई हैं। आवश्यकता केवल उन्हें सही मंच, उचित मार्गदर्शन और निरंतर प्रोत्साहन देने की है।

आने वाले वर्षों के लिए हमारा लक्ष्य और अधिक व्यापक है। हम उत्तराखण्ड के अधिक से अधिक विद्यालयों तक तीरंदाजी प्रशिक्षण पहुँचाना चाहते हैं, डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देना चाहते हैं, किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़ना चाहते हैं तथा युवाओं के लिए रोजगारोन्मुखी कौशल विकास कार्यक्रमों का विस्तार करना चाहते हैं। हमारा विश्वास है कि यदि समाज, प्रशासन और सामाजिक संस्थाएँ मिलकर कार्य करें, तो पलायन जैसी गंभीर समस्या का स्थायी समाधान संभव है।

मैं समिति के सभी पदाधिकारियों, स्वयंसेवकों, शिक्षकों, प्रशिक्षकों, विद्यालय परिवार, जनप्रतिनिधियों, दानदाताओं तथा प्रत्येक शुभचिंतक का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ। आपका विश्वास और सहयोग हमें निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

आइए, हम सब मिलकर अपने उत्तराखण्ड को शिक्षा, खेल, कृषि और सामाजिक समृद्धि के माध्यम से नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने का संकल्प लें।

मधु सूदन डबराल
अध्यक्ष
दगड़िया जन कल्याण समिति

संरक्षक की कलम से

"सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और शिक्षा सबसे बड़ा दान।"

प्रिय साथियों,

दगड़िया जन कल्याण समिति की यह वार्षिक स्मारिका आपके हाथों में सौंपते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता एवं गर्व का अनुभव हो रहा है। यह स्मारिका केवल एक वर्ष की गतिविधियों का लेखा-जोखा नहीं है, बल्कि उन सपनों, संकल्पों और अथक प्रयासों का दस्तावेज़ है जिन्हें हमारी समिति ने उत्तराखण्ड के दूरस्थ पर्वतीय क्षेत्रों के विकास के लिए साकार करने का प्रयास किया है।

हमारा उत्तराखण्ड प्राकृतिक सौन्दर्य, संस्कृति और मानवीय मूल्यों से समृद्ध है, परन्तु आज भी अनेक गाँव शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार एवं खेल सुविधाओं के अभाव से जूझ रहे हैं। यही परिस्थितियाँ हमारे युवाओं को पलायन के लिए विवश करती हैं। दगड़िया जन कल्याण समिति का उद्देश्य केवल समस्याओं की चर्चा करना नहीं, बल्कि उनके व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत करना है।

मुझे विशेष प्रसन्नता है कि समिति ने इस वर्ष शिक्षा, कौशल विकास, वैदिक गणित, अंग्रेज़ी भाषा प्रशिक्षण तथा तीरंदाजी जैसे अभिनव कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीण बच्चों में आत्मविश्वास एवं नई ऊर्जा का संचार किया है। इन प्रयासों ने यह सिद्ध किया है कि यदि सही दिशा और अवसर प्रदान किए जाएँ, तो हमारे पहाड़ों के बच्चे किसी भी क्षेत्र में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं।

मैं समिति के प्रत्येक पदाधिकारी, स्वयंसेवक, प्रशिक्षक, शिक्षक, दानदाता एवं सहयोगी संस्था का हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ। आपका सहयोग ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। मुझे विश्वास है कि आने वाले वर्षों में हमारी समिति शिक्षा, खेल, कृषि, पर्यावरण संरक्षण एवं महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में और भी व्यापक कार्य करेगी तथा उत्तराखण्ड के विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

आइए, हम सब मिलकर अपने गाँव, अपने समाज और अपनी मातृभूमि के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करें और एक शिक्षित, समृद्ध, आत्मनिर्भर एवं पलायन-मुक्त उत्तराखण्ड के निर्माण में सहभागी बनें।

(श्रीमती नीरजा शर्मा)
संरक्षक
दगड़िया जन कल्याण समिति

"संगठन की वास्तविक शक्ति उसके संसाधनों में नहीं, बल्कि उसके समर्पित लोगों में होती है।"

प्रिय साथियों,

यह हमारे लिए अत्यंत हर्ष और संतोष का विषय है कि दगड़िया जन कल्याण समिति निरंतर समाज सेवा के अपने उद्देश्य की ओर अग्रसर है। वित्तीय वर्ष 2025-26 अनेक नई पहल, सफल कार्यक्रमों और सामाजिक सहभागिता का साक्षी रहा। इस अवधि में समिति ने शिक्षा, खेल, कौशल विकास तथा सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में अनेक उल्लेखनीय कार्य किए।

हमारा प्रयास रहा कि समिति की प्रत्येक गतिविधि समाज की वास्तविक आवश्यकताओं से जुड़ी हो। इसी उद्देश्य से ग्रामीण विद्यार्थियों के लिए कौशल विकास शिविर आयोजित किए गए, वैदिक गणित एवं अंग्रेज़ी भाषा का प्रशिक्षण प्रारम्भ किया गया, तीरंदाजी जैसे खेल को बढ़ावा देने की पहल की गई तथा युवाओं और किसानों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयास किए गए।

किसी भी सामाजिक संस्था की सफलता केवल उसके पदाधिकारियों के प्रयासों से नहीं होती, बल्कि उसके सदस्यों, स्वयंसेवकों, शिक्षकों, अभिभावकों, दानदाताओं और समाज के सहयोग से संभव होती है। मुझे गर्व है कि हमारी समिति को समाज के विभिन्न वर्गों से निरंतर सकारात्मक सहयोग और विश्वास प्राप्त हुआ है। यही विश्वास हमें और अधिक उत्तरदायित्व के साथ कार्य करने की प्रेरणा देता है।

एक सचिव के रूप में मेरा संकल्प है कि समिति की प्रत्येक गतिविधि पारदर्शिता, उत्तरदायित्व और सुशासन के सिद्धांतों पर आधारित रहे। हम वित्तीय अनुशासन, समयबद्ध कार्यान्वयन और समाज के प्रति पूर्ण जवाबदेही के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे।

मैं सभी सहयोगियों, विद्यालयों, प्रशासनिक अधिकारियों, दानदाताओं, स्वयंसेवकों और समिति के प्रत्येक सदस्य का हार्दिक धन्यवाद करता हूँ। आशा है कि आने वाले वर्षों में हम सभी मिलकर दगड़िया जन कल्याण समिति को उत्तराखण्ड की अग्रणी सामाजिक संस्थाओं में स्थापित करेंगे तथा शिक्षा, खेल, कृषि और ग्रामीण विकास के माध्यम से समाज में स्थायी एवं सकारात्मक परिवर्तन लाने में सफल होंगे।

**अशोक डबराल
सचिव**

दगड़िया समिति द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में किये गए सामाजिक कार्य

1. तीरंदाजी प्रशिक्षण कार्यक्रम – मई 2025

"पहाड़ की प्रतिभा को लक्ष्य की ओर"

उत्तराखण्ड के पर्वतीय क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच प्रदान करने तथा युवाओं के लिए रोजगार एवं उज्ज्वल भविष्य के नए अवसर सृजित करने के उद्देश्य से दगड़िया जन कल्याण समिति द्वारा 17 मई 2025 को राजकीय इंटर कॉलेज (GIC) देवीखेत, विकासखंड द्वारीखाल, जनपद पौड़ी गढ़वाल में तीरंदाजी प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम चरण का भव्य शुभारम्भ किया गया। यह कार्यक्रम समिति के लिए केवल एक खेल गतिविधि नहीं, बल्कि उत्तराखण्ड के ग्रामीण युवाओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल थी। इस आयोजन में डबरालस्यूं बंधु जन विकास समिति तथा NJC ने सहयोगी संस्थाओं के रूप में सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम का विवरण आपकी प्रेस विज्ञप्ति में भी वर्णित है।

कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने स्वागत गीत, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ एवं गढ़वाली लोकनृत्य प्रस्तुत कर अतिथियों का स्वागत किया। पूरे विद्यालय परिसर में उत्साह और उमंग का वातावरण था। बड़ी संख्या में अभिभावक, स्थानीय ग्रामीण, शिक्षकगण एवं सामाजिक कार्यकर्ता भी इस ऐतिहासिक अवसर के साक्षी बने।

इस अवसर पर द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित तीरंदाजी विशेषज्ञ श्री संदीप डुकलान, खंड शिक्षा अधिकारी डॉ. सुरेन्द्र सिंह नेगी, राजकीय इंटर कॉलेज देवीखेत के प्रधानाचार्य श्री राजीव रावत, तथा क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने समिति के इस प्रयास की सराहना करते हुए इसे पर्वतीय क्षेत्रों में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल बताया।

कार्यक्रम की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि राष्ट्रीय रजत पदक विजेता प्रशिक्षक श्री पवन भंडारी ने विद्यालय के लगभग 60 छात्र-छात्राओं को तीरंदाजी की मूलभूत तकनीकों, सही शारीरिक संतुलन, लक्ष्य साधने की कला, मानसिक एकाग्रता तथा प्रतियोगी खेलों के अनुशासन का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया। एक सप्ताह तक चले इस प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों की शारीरिक क्षमता, समर्पण, अनुशासन एवं खेल के प्रति रुचि का गहन मूल्यांकन किया गया। प्रशिक्षण के उपरान्त 20 प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का चयन उन्नत (Advanced) प्रशिक्षण के लिए किया गया, ताकि उन्हें भविष्य में राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार किया जा सके।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में श्री मधु सूदन डबराल ने कहा कि दगड़िया जन कल्याण समिति का उद्देश्य केवल खेल प्रशिक्षण देना नहीं है, बल्कि पर्वतीय क्षेत्रों के बच्चों की छिपी हुई प्रतिभा को पहचानकर उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुँचाना है। उन्होंने यह भी बताया कि समिति भविष्य में डबरालस्यूं क्षेत्र के अनेक विद्यालयों में तीरंदाजी प्रशिक्षण का विस्तार करेगी तथा आवश्यक खेल सामग्री एवं तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध कराने का प्रयास करेगी।

मुख्य अतिथि श्री संदीप डुकलान ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए तीरंदाजी के तकनीकी पक्ष, अनुशासन, एकाग्रता तथा निरंतर अभ्यास के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि आज तीरंदाजी केवल एक खेल नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मान, छात्रवृत्ति, सरकारी सेवाओं तथा खेल कोटे के माध्यम से उत्कृष्ट कैरियर बनाने का सशक्त माध्यम बन चुकी है। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित अभ्यास करने और बड़े लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित किया।

इस ऐतिहासिक पहल के माध्यम से दगड़िया जन कल्याण समिति ने यह संदेश दिया कि यदि समाज, विद्यालय, प्रशासन और खेल विशेषज्ञ मिलकर कार्य करें, तो उत्तराखण्ड के गाँवों में छिपी प्रतिभाओं को राष्ट्रीय पहचान दिलाई जा सकती है। समिति का दीर्घकालिक लक्ष्य तीरंदाजी को डबरालस्यूँ क्षेत्र के प्रमुख खेल के रूप में स्थापित करना तथा आने वाले वर्षों में अनेक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को तैयार करना है। यही इस कार्यक्रम की सबसे बड़ी उपलब्धि और भविष्य का संकल्प है।

[illegible]

2. द्वितीय जीवन कौशल विकास शिविर – जनवरी 2026

"ज्ञान, संस्कार और आत्मविश्वास की ओर एक प्रेरणादायक पहल"

ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, व्यक्तित्व निर्माण तथा आधुनिक शिक्षा के साथ जीवनोपयोगी कौशल विकसित करने के उद्देश्य से **दगड़िया जन कल्याण समिति** द्वारा 5 जनवरी से 12 जनवरी 2026 तक **राजकीय इंटर कॉलेज, कांडाखाल (जनपद पौड़ी गढ़वाल)** में **आठ दिवसीय द्वितीय जीवन कौशल विकास शिविर** का सफल आयोजन किया गया। यह शिविर समिति की उन महत्वपूर्ण पहलों में से एक था, जिसका उद्देश्य केवल विद्यार्थियों को शैक्षणिक ज्ञान प्रदान करना नहीं, बल्कि उन्हें एक अनुशासित, आत्मविश्वासी एवं जिम्मेदार नागरिक के रूप में विकसित करना था। शिविर की रूपरेखा, समय-सारिणी और प्रमुख गतिविधियाँ समिति की प्रस्तुति में विस्तार से वर्णित हैं।

इस शिविर में **कक्षा 6 से 11 तक के 25 छात्र-छात्राओं** ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आठ दिनों तक चले इस प्रशिक्षण में विद्यार्थियों को प्रतिदिन प्राणायाम एवं ध्यान के माध्यम से मानसिक एकाग्रता विकसित करने के साथ-साथ **वैदिक गणित, सामान्य ज्ञान, अग्नि सुरक्षा, सड़क सुरक्षा तथा जीवन कौशल** का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य विद्यार्थियों में तार्किक सोच, निर्णय क्षमता, आत्मविश्वास तथा नेतृत्व गुणों का विकास करना था, ताकि वे जीवन की चुनौतियों का सामना आत्मविश्वास के साथ कर सकें।

शिविर के समापन समारोह में **माननीय श्री ऋषि कंडवाल जी (राज्य मंत्री, उत्तराखण्ड सरकार)** मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ **श्रीमती नीलम नैथानी (ज्येष्ठ प्रमुख, द्वारीखाल)**, **श्री मधु सूदन बलूनी (उद्यमी एवं समाजसेवी)**, **श्री जगत राम डबराल (विद्यालय प्रबंधक)** तथा **श्री सोम प्रकाश कंडवाल (प्रधानाचार्य, राजकीय इंटर कॉलेज कांडाखाल)** ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। सभी अतिथियों ने समिति के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविर ग्रामीण विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास तथा भविष्य निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

समग्र विकास पर विशेष बल

दगड़िया जन कल्याण समिति का विश्वास है कि शिक्षा केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं होनी चाहिए। इसी सोच के अनुरूप शिविर में विद्यार्थियों को **अनुशासन, समय प्रबंधन, टीम भावना, नेतृत्व क्षमता, सकारात्मक सोच, सामाजिक उत्तरदायित्व और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका** जैसे विषयों पर भी प्रेरित किया गया। प्रतिदिन प्रार्थना एवं योग से दिन की शुरुआत होती थी, जिससे विद्यार्थियों में मानसिक शांति, आत्मनियंत्रण तथा एकाग्रता का विकास हुआ।

शैक्षणिक सामग्री का वितरण

शिविर में भाग लेने वाले प्रत्येक विद्यार्थी को समिति की ओर से **दगड़िया जन कल्याण समिति के लोगो (Logo) से युक्त आकर्षक स्कूल बैग**, नोटबुक, पेन तथा ज्योमेट्री बॉक्स प्रदान किया गया। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना तथा यह संदेश देना था कि समाज उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में उनके साथ खड़ा है। विद्यार्थियों के चेहरे पर इन शैक्षणिक किटों को प्राप्त करने की खुशी और आत्मविश्वास स्पष्ट रूप से दिखाई देता था।

मूल्यांकन एवं पुरस्कार वितरण

शिविर के अंतिम दिन विद्यार्थियों की सीख का मूल्यांकन करने के लिए लिखित एवं व्यावहारिक परीक्षा आयोजित की गई। परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से **प्रथम चार स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को क्रमशः ₹3100, ₹2100, ₹1100 तथा ₹500 की**

नकद प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। साथ ही सभी प्रतिभागियों को **प्रमाण-पत्र** देकर सम्मानित किया गया, जिससे उनमें आगे भी सीखने और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की प्रेरणा बनी रहे।

समाज के सहयोग से सफल आयोजन

इस शिविर की सफलता में अनेक दानदाताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। विभिन्न सहयोगियों ने विद्यार्थियों के लिए पुरस्कार राशि, अध्ययन सामग्री, अल्पाहार, आवास व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए। यह शिविर इस बात का उत्कृष्ट उदाहरण है कि जब समाज, विद्यालय और सामाजिक संस्थाएँ मिलकर कार्य करती हैं, तो सीमित संसाधनों में भी उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं।

समिति की सोच – शिक्षा से आत्मनिर्भरता तक

दगड़िया जन कल्याण समिति का मानना है कि उत्तराखण्ड के पर्वतीय क्षेत्रों का भविष्य केवल औपचारिक शिक्षा से नहीं, बल्कि **जीवन कौशल, व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास और रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण** से बदलेगा। यह शिविर उसी व्यापक सोच का हिस्सा था। समिति का उद्देश्य ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को न केवल प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करना है, बल्कि उन्हें जीवन की वास्तविक चुनौतियों का सामना करने योग्य बनाना भी है।

यह शिविर केवल आठ दिनों का प्रशिक्षण कार्यक्रम नहीं था, बल्कि ग्रामीण युवाओं में **आत्मविश्वास, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और सकारात्मक जीवन दृष्टि** विकसित करने की दिशा में एक सार्थक पहल थी। समिति का लक्ष्य है कि भविष्य में उत्तराखण्ड के अधिकाधिक विद्यालयों में ऐसे जीवन कौशल विकास शिविर आयोजित किए जाएँ, ताकि प्रत्येक विद्यार्थी को अपनी प्रतिभा पहचानने और उसे विकसित करने का अवसर प्राप्त हो।



3. डबरालस्यूं पट्टी (पौड़ी गढ़वाल) "हल्दी बेल्ट" के रूप में विकसित करने की पहल

दबरालस्यूं क्षेत्र के किसानों की आय में वृद्धि तथा पारंपरिक कृषि को व्यावसायिक स्वरूप प्रदान करने के उद्देश्य से **दगड़िया जन कल्याण समिति** द्वारा जून 2025 में एक महत्वपूर्ण पहल की गई। इस अभियान के अंतर्गत **डीआरडीओ (DRDO)** के सहयोग से लगभग **1,000 किलोग्राम उच्च गुणवत्ता वाले हल्दी के बीज (राइजोम)** उपलब्ध कराए गए।

समिति द्वारा इन बीजों का वितरण दबरालस्यूं क्षेत्र के लगभग **10 गाँवों के किसानों** के बीच किया गया, जिससे वे वैज्ञानिक पद्धति से हल्दी की खेती प्रारम्भ कर सकें। इस पहल का प्रमुख उद्देश्य दबरालस्यूं को भविष्य में **"हल्दी बेल्ट"** के रूप में स्थापित करना, किसानों की आय में स्थायी वृद्धि करना तथा क्षेत्र में कृषि आधारित रोजगार के नए अवसर विकसित करना है।

समिति को विश्वास है कि यदि इस अभियान को निरंतर तकनीकी मार्गदर्शन, विपणन सहायता एवं किसानों के सहयोग के साथ आगे बढ़ाया जाए, तो आने वाले वर्षों में दबरालस्यूं उत्तराखण्ड के प्रमुख हल्दी उत्पादक क्षेत्रों में अपनी विशिष्ट पहचान बना सकेगा। यह पहल पर्वतीय क्षेत्रों में पलायन रोकने तथा स्थानीय स्तर पर सतत आजीविका सृजन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी।

4. मानवीय सहायता और प्रत्यक्ष सेवा

समिति समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्गों की सहायता के लिए निरंतर कार्यरत है:

कंबल वितरण: समिति ने कांडाखाल, बरेथ और सुन्दल गाँव के लगभग 30 जरूरतमंद व्यक्तियों को कड़ाके की ठंड से बचाने के लिए कंबल वितरित किए हैं।

विशेष सहायता: एक दृष्टिबाधित (नेत्रहीन) परिवार को राशन और कंबल उपलब्ध कराए गए, साथ ही एक अन्य परिवार जिसके पास ओढ़ने के लिए रजाई नहीं थी, उन्हें संस्था द्वारा रजाइयां भेंट की गईं।

पुस्तकों का वितरण: 'अग्निवीर' भर्ती परीक्षा की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए देवीखेत और चेलुसैन स्कूलों के प्रधानाचार्यों को तैयारी पुस्तकों के सेट सौंपे गए।



कार्यकारिणी के सदस्यों का परिचय

नाम	पता	अनुभव	फोटोग्राफ
श्रीमती नीरजा शर्मा (संरक्षक) मो नंबर 8791873546	हाउस नंबर 2, लेन 3, जगदीशपुरम कॉलोनी, शिवपुर, कोटद्वार 246149, पौड़ी गढ़वाल,	शिक्षाविद हांगकांग में अध्यापन का ४० वर्ष से अधिक का अनुभव	
श्री मधु सूदन डबराल (अध्यक्ष) मो नंबर 9000671852	ग्राम-डाबर, देवीखेत, पौड़ी गढ़वाल - 246144	सेवानिवृत्त वायु सैनिक भूतपूर्व प्रबंधक- दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद मेट्रो व दिल्ली- मेरठ RRTS प्रोजेक्ट प्रशिक्षण प्रबंधक- विद्युत् लोकोमोटिव (WAG12) ट्रेनिंग स्कूल सहारनपुर	
श्री सतीश कुमार शर्मा (उपाध्यक्ष) मो नंबर 9910933979	मकान नंबर-07, डाबर, देवीखेत, पौड़ी गढ़वाल-246144	वानिवृत्त कंपनी कमांडर - सी आई एस एफ भूतपूर्व सुरक्षा प्रमुख- डेल्टा टीवीएस प्रशासनिक प्रमुख- यू फ्लेक्स लिमिटेड और पूर्णांगिरी फूड लिमिटेड	
श्री गिरजा दत्त डबराल (कोषाध्यक्ष) मो नंबर 8699308453	मकान नंबर-जी 60, पालम कॉलोनी, बागडोगला, दक्षिण पश्चिम दिल्ली-110077	रिटायर्ड विंग कमांडर वायु सेना सीईओ - फाउंडर सुप्रीम वर्क्स	
अशोक डबराल (सचिव) मो नंबर 9897883450	ग्राम-डाबर, देवीखेत, पौड़ी गढ़वाल-246144	भूतपूर्व प्रबंधक - अर्पण फूड्स लिमिटेड सामाजिक कार्यकर्ता	
प्रफुल्ल डबराल (संयुक्त सचिव) मो नंबर 9873880851	श्री राम एन्क्लेव, जानकी पब्लिक स्कूल के पास.. यूनियन बैंक रोड चंद्रबनी देहरादून	सन लाइफ ग्लोबल सॉल्यूशंस, गुरुग्राम सेक्टर 62 , पायनियर स्कायर बिल्डिंग में क्वालिटी ऑडिटर	
सुभाष डबराल (परामर्शदाता) मो नंबर 9868042167	155- प्रताप खंड विश्वकर्मा नगर विवेक विहार पार्ट -२ दिल्ली - 110095	मास्टर टेनर - कौशल विकास सामाजिक कार्यकर्ता - उत्तराखंड फाउंडेशन, यूएनए, केस्ट एलायंस, वॉयस ऑफ गर्ल्स ग्रुप के साथ निकटता से जुड़ाव	

विजय प्रकाश डबराल (सांस्कृतिक सचिव) मो नंबर 9917708259	बी 28, डबराल भवन, रामबाग, मानपुर उत्तर रामपुर रोड, हल्द्वानी- 263139	जनरल मैनेजर, एन के ऑर्गेनिक्स, और पी एम डाइकेम पेपर रसायन उद्योग	
प्रजा दत्त डबराल (कोऑर्डिनेटर) मो नंबर 9810974880	मकान नंबर-जी60, पालम कॉलोनी, बागडोगला, दक्षिण पश्चिम दिल्ली-110077	संपादक, निर्माता निर्देशक डाक्यूमेंट्री फिल्म एडिटर इन चीफ - प्रजा टुडे मैगज़ीन	
सूदन डबराल (कोऑर्डिनेटर) मो नंबर 9313952523	एच-172, करमपुरा, नई दिल्ली-110015	निदेशक मैसर्स. गुरेजी फार्मा प्राइवेट लिमिटेड निदेशक मै सर्स ONE परिवहन।	
सुरेश ममगाई (कोऑर्डिनेटर) मो नंबर 6397793018	ग्राम-डाबर, देवीखेत, पौड़ी गढ़वाल-२४६१४४	प्रधान ग्राम - डाबर डबरालस्यूं देवीखेत - पौड़ी गढ़वाल उत्तराखंड	
कैलाश चंद्र गैरोला (कोऑर्डिनेटर) मो नंबर 9811401704	बी-६८, नई मोती नगर नई दिल्ली- 110015	भूतपूर्व वायु सैनिक	

सदस्यता सूची

Member Ship No	Name	Type of Membership	Mobile No
DJKS/PM/01	Madhu Sudan Dabral	Permanent	9000671852
DJKS/PM/02	Sudan Dabral	Permanent	9313952523
DJKS/PM/03	Tanish Dabral	Permanent	9958640167
DJKS/PM/04	Ankit Dabral	Permanent	9810640339
DJKS/PM/05	Ratan Dabral	Permanent	9810080819
DJKS/PM/06	Vijay Praksh Dabral	Permanent	8279898075
DJKS/PM/07	Prafull Dabral	Permanent	9873880851
DJKS/PM/08	Rakesh Dabral	Permanent	8882042506
DJKS/PM/09	Neeraja Dabral	Permanent	9870628353
DJKS/PM/10	Subhash Dabral	Permanent	9868042167
DJKS/PM/11	Girja Dutt Dabral	Permanent	8699308453
DJKS/PM/12	Chander Mohan Dabral	Permanent	9868990781
DJKS/PM/13	Ayushi Dabral	Permanent	9910206690
DJKS/PM/14	Kailash Chandra Gairola	Permanent	9811401704
DJKS/PM/15	Girish Dabral	Permanent	9557128299
DJKS/PM/16	Satish Kumar Dabral	Permanent	9910933979
DJKS/TM/01	Prakash Dabral	Temporary	7579249839
DJKS/TM/02	Ashok Dabral	Temporary	9897883450
DJKS/TM/03	Suresh Mamgai	Temporary	6397793018
DJKS/TM/04	Pankaj Dabral	Temporary	9412546133
DJKS/TM/05	Praja Dutt Dabral	Temporary	9968573369

वार्षिक लेखा -संतुलन पत्र

DAGADIYA JAN KALYAN SAMITI

Balance Sheet as at 31.03.2026

LIABILITIES	Amount Rs	ASSETS	Amount
Capital		Fixed Assets	
Opening Balance	(495.31)	As per Annexure	-
Add: Excess of Income over Exp	179.56		
	(315.75)		
Curpus Fund		Cash & Bank Balance	
Opening Balance	228,344.00	Bank Balance	258,729.80
Add: Addition	30,000.00	Cash Balance	3,398.65
	258,344.00		
Current Liabilities			
Audit Fees Payable	2,100.00		
	2,100.00		
	260,128.25		260,128.25

For SUNDEEP SATPAL & ASSOCIATES

Chartered Accountants

Sundeep Kumar, FCA
M No 507170
Place: Delhi
Dated: 08/08/2026

DAGADIYA JAN KALYAN SAMITI

Ms. Dabral

President Treasurer

DAGADIYA JAN KALYAN SAMITI

Income & Expenditure Account for the year ending 31.03.2026

EXPENDITURE	Amount Rs	INCOME	Amount
To Bank charges	216.44	By Donation, Subscription & Contribution	172,292.00
To Registration Charges	15,660.00	By Membership Fees	57,002.00
To Printing & Stationery	1,050.00	By Misc Income	6,135.00
To Wifi Exp & Web Sebsc	25,405.00		
To Winter Camp	17,005.00		
To Medicine Ayur Camp	440.00		
To Agniveer Camp Exp	10,032.00		
To Archary Camp Exp	142,325.00		
To Staff Refreshment	12,752.00		
To Petrol Exp	8,264.00		
To Audit Fees	2,100.00		
To Excess of Income over Expenditure	179.56		
	235,429.00		235,429.00

For SUNDEEP SATPAL & ASSOCIATES

Chartered Accountants

Sundeep Kumar, FCA
M No 507170
Place: Delhi
Dated: 08/08/2026

DAGADIYA JAN KALYAN SAMITI

Ms. Dabral

President Treasurer

DAGADIYA JAN KALYAN SAMITI

Receipt & Payment Account for the year ending 31.03.2026

RECEIPTS	Amount Rs	PAYMENTS	Amount
To Opening Bank & Cash Balance	229,948.69	By Bank charges	216.44
To Donation, Subscription & Contribution	172,292.00	By Registration Charges	15,660.00
To Membership Fees	57,002.00	By Printing & Stationery	1,050.00
To bank intrest	6,135.00	By Wifi Exp & Web Sebsc	25,405.00
To Corpus Fund	30,000.00	By Winter Camp	17,005.00
		By Medicine Ayur Camp	440.00
		By Agniveer Camp Exp	10,032.00
		By Archary Camp Exp	142,325.00
		By Staff Refreshment	12,752.00
		By Petrol Exp	8,264.00
		By Audit Fees	2,100.00
		BY Bank Balance	258,729.80
		By Cash Balance	3,398.65
	495,377.69		495,377.69

For SUNDEEP SATPAL & ASSOCIATES

Chartered Accountants

Sundeep Kumar, FCA
M No 507170
Place: Delhi

DAGADIYA JAN KALYAN SAMITI

Ms. Dabral

President Treasurer

वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रस्तावित कार्ययोजना एवं अनुमानित बजट

क्र.	प्रस्तावित कार्यक्रम	प्रस्तावित गतिविधियाँ / लक्ष्य	संभावित अवधि	अनुमानित बजट (₹)
1	डाबर झील परियोजना एवं रोजगार सृजन	डाबर गाँव में प्रस्तावित झील के निर्माण को आगे बढ़ाने हेतु संबंधित विभागों एवं अधिकारियों के साथ समन्वय, आवश्यक सर्वेक्षण एवं तकनीकी प्रक्रिया में सहयोग। झील के माध्यम से पर्यटन, सिंचाई, मत्स्य पालन एवं स्थानीय रोजगार की संभावनाओं को विकसित करने का प्रयास।	वर्षभर	1,00,000*
2	हल्दी उत्पादन एवं कृषक आजीविका संवर्धन	क्षेत्र को “हल्दी उत्पादन क्षेत्र” के रूप में विकसित करने की दिशा में किसानों को उन्नत किस्म के हल्दी बीज उपलब्ध कराना। DRDO/अन्य संस्थानों के तकनीकी सहयोग से लगभग 1,000-1,500 किग्रा बीज, प्रशिक्षण, जैविक खेती, उत्पादन एवं विपणन संबंधी मार्गदर्शन उपलब्ध कराना।	अप्रैल-जुलाई 2026	2,50,000
3	तीरंदाजी प्रशिक्षण एवं खेल प्रतिभा विकास	चयनित इंटर कॉलेजों/विद्यालयों में तीरंदाजी को प्रमुख खेल के रूप में विकसित करना। तीरंदाजी उपकरण, लक्ष्य (Target), Bow & Arrow Kit तथा प्रशिक्षित कोच के माध्यम से प्रारंभिक एवं उन्नत प्रशिक्षण। प्रतिभाशाली बच्चों को जिला/राज्य/राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना।	मई 2026-मार्च 2027	3,50,000
4	जीवन कौशल एवं व्यक्तित्व विकास शिविर	पर्वतीय क्षेत्र के विद्यार्थियों, विशेषकर बालिकाओं के लिए 8-दिवसीय कौशल विकास शिविरों का आयोजन। अंग्रेजी वार्तालाप, वैदिक गणित, व्यक्तिगत स्वच्छता, प्राथमिक उपचार, अग्नि सुरक्षा, आत्मविश्वास एवं व्यक्तित्व विकास का प्रशिक्षण। वर्ष में कम से कम 2 शिविर प्रस्तावित।	जून 2026-जनवरी 2027	2,00,000
5	शिक्षा एवं ऑनलाइन कौशल विकास कार्यक्रम	कक्षा 6-11 के विद्यार्थियों हेतु English Communication, Vedic Mathematics, General Knowledge एवं Career Awareness की ऑनलाइन/ऑफलाइन कक्षाएँ। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र एवं पुरस्कार।	वर्षभर	1,25,000
6	कृषक प्रशिक्षण एवं विपणन सहयोग	हल्दी एवं अन्य स्थानीय उत्पादों के प्रसंस्करण, पैकेजिंग, ब्रांडिंग एवं बाजार से जोड़ने के लिए किसानों/महिला समूहों हेतु प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम।	सितम्बर 2026-मार्च 2027	1,50,000
7	प्रचार-प्रसार, मॉनिटरिंग एवं प्रशासनिक व्यय	कार्यक्रमों का दस्तावेजीकरण, फोटो/वीडियो रिकॉर्ड, प्रमाण-पत्र, रिपोर्ट, प्रचार सामग्री, यात्रा, स्थानीय समन्वय तथा अन्य आवश्यक प्रशासनिक व्यय।	वर्षभर	1,00,000
कुल प्रस्तावित अनुमानित बजट				₹12,75,000

* विशेष टिप्पणी: डाबर झील के वास्तविक निर्माण की लागत इस बजट में शामिल नहीं है, क्योंकि यह कार्य मुख्यतः उत्तराखण्ड सरकार/सिंचाई विभाग के माध्यम से प्रस्तावित है। ₹1 लाख की राशि संस्था द्वारा समन्वय, स्थानीय सहयोग, दस्तावेजीकरण, यात्रा एवं संबंधित गतिविधियों के लिए अनुमानित रखी गई है।

प्रस्तावित कार्ययोजना का उद्देश्य

वित्तीय वर्ष 2026-27 में दगड़िया जन कल्याण समिति का प्रमुख लक्ष्य शिक्षा, खेल, कृषि एवं स्थानीय संसाधनों को रोजगार से जोड़ते हुए पर्वतीय क्षेत्र में **स्थायी आजीविका के अवसर विकसित करना तथा पलायन को कम करने की दिशा में ठोस प्रयास करना** रहेगा। समिति विशेष रूप से हल्दी उत्पादन को कृषकों की आय का सशक्त माध्यम बनाने, तीरंदाजी में ग्रामीण प्रतिभाओं को अवसर प्रदान करने तथा बच्चों एवं युवाओं को आधुनिक जीवन-कौशल एवं गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण से जोड़ने पर ध्यान केंद्रित करेगी।

कुल प्रस्तावित बजट: ₹12.75 लाख

प्रत्यक्ष प्राथमिक लाभार्थी लक्ष्य: लगभग 300-400 किसान, विद्यार्थी एवं युवा।

आभार और भविष्य की राह (Acknowledgments and Future Outlook)

दगड़िया जन कल्याण समिति उन सभी दानदाताओं, विद्यालय प्रबंधन समितियों, स्थानीय शिक्षकों और कर्मठ स्वयंसेवकों का हृदय से आभार व्यक्त करती है, जिनके सहयोग के बिना यह यात्रा संभव नहीं थी। आपका यह सहयोग हमारी मातृभूमि की प्रगति में एक मील का पत्थर सिद्ध होगा। समिति का मूल मंत्र सदैव हमारे कार्यों को ऊष्मा प्रदान करता रहेगा:

"दूर हैई जाल त्यार जिंदगी का झगड़ा, वे तै बना ली तू आज अपर दगड़िया।"

हम आगामी वर्ष में कृषि आधारित स्वरोजगार परियोजनाओं और तकनीकी शिक्षा के विस्तार हेतु नए संकल्पों के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

जय हिन्द, जय देवभूमि!

“हमारे सहयोगी

